ASU NEWS-LETTER

VOL.3 No. 4 July-August 2018

ALLAHABAD STATE UNIVERSITY

CPI Campus
Mahatama Gandhi Road,
Civil Lines,
Allahabad – 211001, U.P. India.
website: www.alldstateuniversity.org

ADMINISTRATION:

Prof. Rajendra Prasad
Vice-Chancellor
Mobile: +91-9415313714
Ph.(O) 0532-2256206
Ph.(R) 0532-2256218
email:rprasad55@rediffmail.com
asuallahabad@gmail.com

Dharmendra Prakash Tripathi
Finance Officer
Mobile No: +91-8004915375
Ph (O): 0532-2256222
email: financeofficer.asu@gmail.com

(Dr.) Vinita Yadav
Registrar
Mobile No.: +91-9450161119
Ph(O): 0532-2256207
email: registrarasua@gmail.com

Deputy Registrar

Sheshnath Pandey
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9839984620

Prabhash Dwivedi
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9454028590

Dipti Mishra
Deputy Registrar
Mobile No.: +91-9452092149

कुलपति की कलम से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के आवासीय खण्ड एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सत्र 2018-19 के लिए जारी किये गये शैक्षिक कैलेण्डर के अनुरूप स्नातक, स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश कार्य और पठन-पाठन आदि के नियमन एवं संचालन को गतिमान करके हमें अतीव प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

हमने 72 वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई0 कैम्पस में यह प्रण लिया है कि, हमारा विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन, अध्यापन एवं उच्च स्तरीय शोध के माध्यम से नये भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभायेगा। साथ ही बदलते परिवेश में समाज एवं राष्ट्र की चुनौतियों के समाधान हेतु युवा वर्ग को शिक्षित-प्रशिक्षित करेगा।

तत्क्रम में सम्बद्ध महाविद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षा का वातावरण सृजित करना हमारी प्राथमिकता में है। 'टाउन और गाउन' की स्वस्थ परम्परा भी निरन्तर गतिमान है।

शुभकामनाओं सहित,

(प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद)
कुलपति

ज्ञानं तेऽहं सविज्ञानमिदं वक्ष्याम्यशेषः।
यज्ज्ञात्वा नेह भूयोऽन्यज्ज्ञातव्यमवशिष्यते।। (7/2)
–श्रीमद्भगवद्गीता

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में 90 प्रतिशत छात्र उपस्थित

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित हिन्दी, राजनीति विज्ञान, समाज कार्य विषयों में एम.ए. एवं एम.कॉम. और सम्बद्ध महाविद्यालयों में एम0एड0 पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। प्रवेश परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिये कुलभाष्कर आश्रम पी.जी. कालेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया। प्रवेश परीक्षा में 90 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहें। प्रवेश परीक्षा में बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गये थे और जवाब ओ.एम.आर. पर देना था।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में एम0ए0, एम0कॉम0 की काउंसिलिंग

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय आवासीय परिसर में संचालित एम.ए. हिन्दी, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास और समाजकार्य विषयों में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 16 जुलाई 2018 एवं एम0कॉम0 में प्रवेश के लिए काउंसिलिंग 17 एवं 18 जुलाई 2018 को विश्वविद्यालय परिसर में हुई। इस काउंसिलिंग में मेरिट के आधार पर छात्रों को विभिन्न विषयों में प्रवेश दिया गया।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में एम0एड0, बी0एससी0 (ए0जी0), बी0सी0ए0, एल0एल0बी0 की काउंसिलिंग

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में एम0एड0 प्रवेश की काउंसिलिंग 19 एवं 20 जुलाई, 2018 को सी0पी0आई0 छात्रावास परिसर में सम्पन्न हुई। इस काउंसिलिंग के माध्यम से सम्बद्ध महाविद्यालय की 50 सीटें छात्रों को आवंटित की गई। इसी प्रकार इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में बी0एससी0 (ए0जी0), बी0सी0ए0 एवं एल0एल0बी0 पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु केन्द्रीकृत काउंसिलिंग का भी आयोजन किया गया। इस काउंसिलिंग के माध्यम से सम्बद्ध महाविद्यालयों में छात्रों को सीटें आंवटित की गई।

समस्त राज्य विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह का कैलेण्डर जारी

उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय के कुलाधिपति महोदय एवं श्री राज्यपाल राम नाईक जी नें प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के लिए दीक्षांत समारोह का कैलेण्डर जारी कर दिया । शैक्षिक सत्र 2018-19 में मात्र 84 दिन में सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह आयोजित करके विद्यार्थियों को डिग्री व उपाधियाँ प्रदान

की जाएंगी। इस साल पहला दीक्षांत समारोह 24 अगस्त को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर में होगा। अंतिम दीक्षांत समारोह इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का प्रस्तावित है।

स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2018) के पावन अवसर पर इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा ध्वजारोहण एवं सम्बोधन

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सी0पी0आई0 कैम्पस में सुबह 08:00 बजे कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने झंडारोहण किया। 72वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अपने उद्‌बोधन में उन्होंने कहा कि आजादी कहने को सिर्फ एक शब्द है लेकिन इसकी भव्यता को कोई भी शब्दों में नहीं बाँध सकता। आजादी का अर्थ है- विकास के पथ पर आगे बढ़कर देश और समाज को ऐसी दिशा देना, जिससे हमारे देश की संस्कृति की सोंधी खुशबू चारों ओर फैल सके। देश को सशक्त बनाने हेतु निरर्थक विवादों से हटकर सभी एकजुट होकर गरीबी, अशिक्षा और असमानता को दूर करने हेतु समावेशी उन्नति के लिए अथक प्रयास करें तथा समाज में समरसता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास निरन्तर जारी रहे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कुलसचिव डॉ. विनीता यादव, उपकुलसचिवगण, वित्त अधिकारी श्री डी0पी0त्रिपाठी, छात्र-छात्राएँ तथा समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

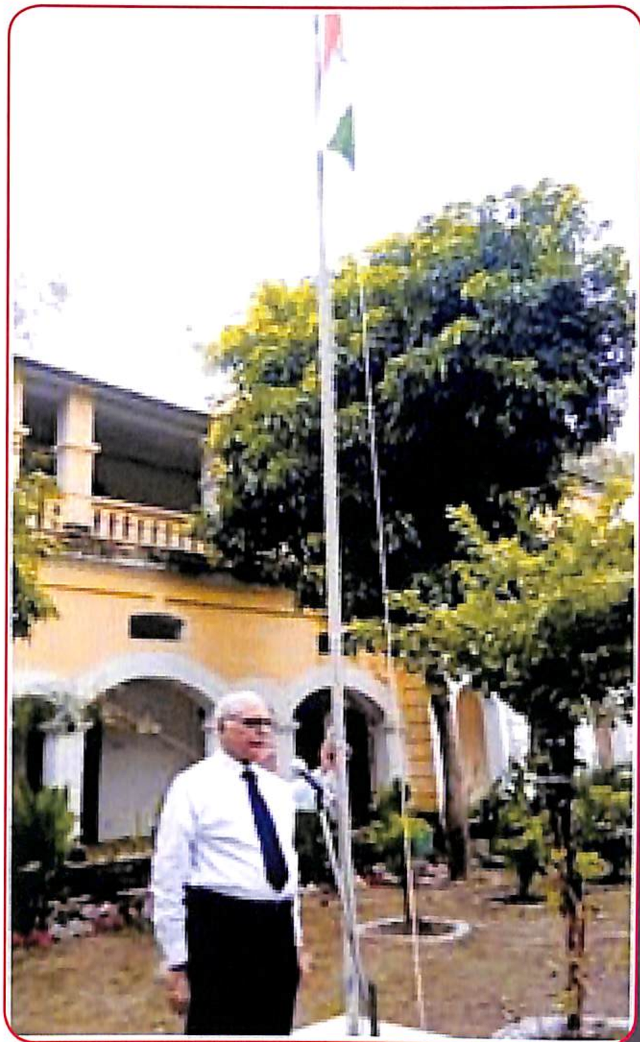

सरस्वती हाईटेक सिटी स्थित निर्माणाधीन मुख्य परिसर में पौधारोपण

सरस्वती हाईटेक सिटी, नैनी में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के निर्माणाधीन मुख्य परिसर में प्राकृतिक धरोहर का संरक्षण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा संचालित योजना ''नमामि गंगे'' एवं इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 150 से अधिक पौधे रोपित किए गए। विश्वविद्यालय परिसर में किए गए पौधारोपण के दौरान भारतीय सेना के 39 जी0आर0 के जवान उपस्थित

रहे तथा अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। गंगा को स्वच्छ एवं अविरल बनाने हेतु संकल्प भी लिया गया। विश्वविद्यालय के क्षेत्राधिकार में स्थित चार जनपदों (इलाहाबाद, प्रतापगढ़, फतेहपुर एवं कौशाम्बी)में स्थित महाविद्यालयों में भी पौधारोपण सम्पन्न कराया गया। शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सम्बन्धित महाविद्यालयों से रोपित किए गए पौधों की सूचना संकलित करने तथा उसे शासन को समयान्तर्गत संसूचित करने की कार्यवाही सम्पन्न की गई। विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में शाम 5:00 बजे तक लगभग 32 हजार पौधों को रोपित किया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद की अगुवाई में कुलसचिव, वित्त अधिकारी, उपकुलसचिव तथा भारतीय सेना के 39 जी0आर0 के जवान, छात्र-छात्राएं, कर्म चारीगण तथा भारतीय सेना के मेजर जी0एस0धंजू, नायब सूबेदार बलराम पाल, बिरेन्द्र ठाकुर, संजय यादव, कमल कुमार द्विवेदी आदि लोग उपस्थित रहे।

इलाहाबाद राज्य विश्व विद्यालय के नये क्रीडा सचिव की नियुक्ति

डॉ0 भास्कर शुक्ल को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का नया क्रीडा सचिव बनाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ0 विनीता यादव द्वारा जारी की गयी अधिसूचना के अनुसार हेमवती नंदन

बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी में शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ0 भास्कर 'शिक्षकश्री' पुरस्कार विजेता हैं और फुटबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं।

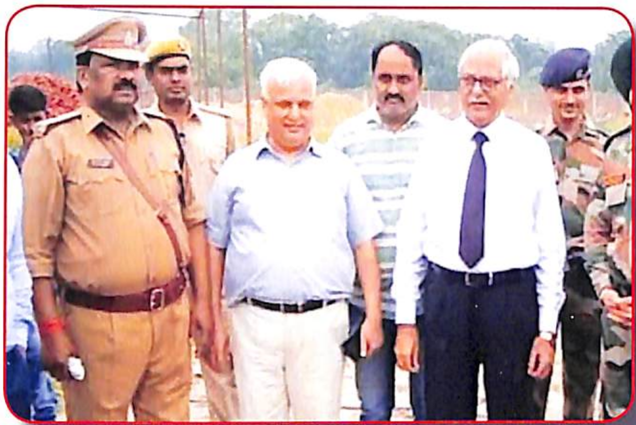

हावर्ड विश्वविद्यालय की तर्ज पर होगा इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का मुख्य द्वार

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का सरस्वती हाईटेक सिटी स्थित परिसर मार्च 2019 तक बनकर तैयार हो जाएगा। विश्वविद्यालय की बाउंड्री वॉल, पानी की टंकी बनकर तैयार हो गई है। प्रशासनिक भवन, एकेडमिक भवन, मुख्य द्वार की पाइलिंग हो चुकी है। मुख्य द्वार का निर्माण शुरू हो गया है। यह मुख्य द्वार हावर्ड विश्वविद्यालय की तर्ज पर बनेगा। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर का सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी में 448 करोड़ रूपये की लागत से 112.64 एकड़ जमीन पर निर्माण कराया जा रहा है। मुख्य द्वार मिर्जापुर रोड पर होगा, जिसकी पाइलिंग का काम हो गया है। चार-चार मंजिलों के दो एकेडमिक भवन बनाए जा रहे हैं। जो अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण होंगे, जिसमें लिफ्ट भी होगी। प्रशासनिक भवन छह मंजिलों का होगा। कुलपति आवास, रजिस्ट्रार व वित्त अधिकारी आवास, कर्मचारी आवास पहले चरण में बनकर तैयार होंगे ।

राज्य विश्वविद्यालय में एम.फिल. और पी0एचडी0 के नए मानक लागू

एम.फिल/पी-एच0डी0 उपाधि के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) विनियम 2016 को उ0प्र0 उच्च शिक्षा विभाग, के अधीन सभी राज्य विश्वविद्यालयों में भी लागू कर दिया गया है।

अपर सचिव संजय अग्रवाल ने इस सम्बंध में 24 अगस्त 2018 को सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि विश्वविद्यालयों में यू0जी0सी0 के विनियम 2009 के तहत एम-फिल0 एवं पी0एचडी0 के लिए तय न्यूनतम मानदंड व प्रक्रिया का पालन किया जाता था। अब उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत उच्च शिक्षा विभाग ने सभी राज्य विश्वविद्यालयों में पी0एचडी0 व एम0फिल0 के न्यूनतम मानदंड व प्रक्रिया विनियम 2016 को लागू कर दिया है। इसी विनियम के आधार पर महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों में नियुक्तियाँ भी होंगी।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि शासनादेश के अनुरूप विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू0जी0सी0) विनियम 2016 का अक्षरशः पालन किया जाएगा। पी-एच0डी0 उपाधिधारी को नेट से छूट देने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत पाँच महत्वपूर्ण मानक निम्न होंगेः

- पी-एच0डी0 पाठ्यक्रम में रेगुलर मोड में पंजीकरण हो।
- शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन कम से कम दो बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जाए।
- कम से कम दो शोध प्रकाशित हों, जिसमें एक शोध-पत्र संदर्भित जर्नल में प्रकाशित किया गया हो।
- पी-एच0डी0 शोधकार्य में से कम से कम दो पत्र संगोष्ठियों व सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया हो।
- उपाधि दिए जाने के लिए मौखिक साक्षात्कार भी संचालित किया गया हो।

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से सम्बद्ध 'महाविद्यालयों' में कार्यक्रम

के0पी0उच्च शिक्षा संस्थान में नए शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने झलवा स्थित के.पी.उच्च शिक्षा संस्थान में नए शैक्षिक सत्र का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से किया। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि युवा अपनी क्षमता और रुचि को पहचानकर अपने उद्देश्य का चयन करें। छात्र ये निर्णय स्वयं लें कि, वे किस क्षेत्र में बेहतर कार्य कर सकते हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा के साथ ही तकनीकी शिक्षा पर भी जोर दिया। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए विश्वविद्यालय ने अनेक रोजगारपरक कोर्स शुरू किए हैं। मुख्य अतिथि का स्वागत कॉलेज की प्रबंधक श्रीमती शारदा पाण्डेय ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद माननीय कुलपति श्री राजेन्द्र प्रसाद जी ने कैंपस में पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर रामेन्द्र मिश्रा, डॉ0 सुरेन्द्र कुमार व सैकड़ों छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे।

'टाउन एवं गाउन' की गतिविधियों के अन्तर्गत विश्वविद्यालय की सक्रियता

सिविल लाइन्स स्थित होटल गैलेक्सी में 'एजुकेशन फेयर' कार्यक्रम के आयोजन में सहभागिता (05 जुलाई, 2018)

सिविल लाइन्स स्थित होटल गैलेक्सी में **'एजुकेशन फेयर'** कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में छात्रों को भविष्य के सुनहरे सपने देखने की सीख दी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मशहूर कैरियर काउंसलर जितिन चावला की टीम ने छात्रों की समस्याओं का समाधान किया। कार्यक्रम में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, आईटीएफटीएम विश्वविद्यालय, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंजीनियरिंग मैनेजमेंट, एसवीएम विश्वविद्यालय, बलराम ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, बी0बी0एस0 ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, महर्षि मारकंडेश्वर, (डीम्ड यूनिवर्सिटी) पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), नेहरू ग्राम भारती के विशेषज्ञ उपस्थित थे।

'हिन्दुस्तान एकेडमी' सभागार में संगम शोध साहित्य संस्थान, इलाहाबाद द्वारा 'आसमान के आँसू' पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता (26 जुलाई, 2018)

संगम शोध साहित्य संस्थान द्वारा हिन्दुस्तान एकेडमी में 'आसमान के आँसू' पुस्तक का विमोचन एवं कवि सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह पुस्तक सामाजिक परिस्थितियों के सटीक गुणानुवाद को आमजन तक पहुँचाने में सार्थक साबित होगी। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विशेष अतिथि शैलेंद्र मधुर ने कहा कि पुस्तक नैतिक मूल्यों को जीवित करती है। जावेद शोहरत ने कहा कि रचनाधर्मिता के माध्यम से रचनाकार ने एक बड़ा काम किया है। काव्य पाठ का शुभारंभ आभा श्रीवास्तव की वाणी वंदना से हुआ। योगी जी ने अपनी कविता पढ़ी। शायर जावेद शोहरत ने अपनी गजल प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। नंदल हितैषी ने **'कायनात तो दे दिया मुझे लेकिन मैं साँप बनके हिफाजंत न कर सका'** सुनाया।

कवि सम्मेलन में उमेश श्रीवास्तव, साहिद सफर, नजर इलाहाबादी, वंदना शुक्ला, मुकुल मतवाला, नया बलियावी, कैलाश नाथ पाडेंय, जनकवि प्रकाश, प्रकाश तिवारी पुंज, अश्वनी कुमार जतन, श्रीराम मिश्र तलब जौनपुरी, रामायण प्रसाद पाठक, अभिषेक आदि कवियों ने प्रस्तुति दी। आभार ज्ञापन श्यामसुंदर सिंह पटेल ने किया।

रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इण्टर कॉलेज द्वारा छात्र संसद के कन्या भारती एवं शिशु भारती के शपथ ग्रहण समारोह में सहभागिता

(26 जुलाई, 2018)

रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कालेज, इलाहाबाद में छात्र संसद, कन्या भारती एवं शिशु भारती के शपथ ग्रहण समारोह में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया, अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा कि बच्चों के अंदर लोकतांत्रिक मूल्यों का समावेश होगा तो भविष्य का भारत लोकतांत्रिक जीवन पद्धति को सहजता के साथ स्वीकार करेगा और सहिष्णुता के मूल्यों का प्रभाव बढ़ेगा। इस विद्यालय के विद्यार्थी अपने छात्र संसद के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र जिस आत्म अनुशासन और सामाजिक मूल्यों से संचालित और सफल होता है, इस समारोह में उसका साक्षात् दर्शन करके देश के भविष्य के प्रति हृदय में विश्वास बढ़ता है। समारोह की अध्यक्षता विद्या भारती, पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय शिशु वाटिका प्रमुख विजय उपाध्याय ने की। प्रधानाचार्य श्री रामजी सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराते हुए विद्यालय की ओर में अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। संबोधन से पूर्व प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने दो चरणों में पहले तीनों प्रधानमंत्री को और फिर पूरी छात्र संसद को अलग-अलग शपथ ग्रहण कराया। छात्र संसद की प्रासंगिकता पर आचार्य विभु श्रीवास्तव ने प्रकाश डाला। बहन प्रिया पांडे ने संगीताचार्य मनोज गुप्ता के निर्देशन में कहा कि शपथ लेना तो सरल है, पर निभाना कठिन है। छात्र-छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं कल्याण मंत्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य मानसिंह ने किया।

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के विधि संकाय में 'रिसर्च बियॉन्ड मेथडोलॉजी'' विषयक व्याख्यान

इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित समारोह में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 राजेन्द्र प्रसाद ने **'रिसर्च बियॉन्ड मेथडोलॉजी'** विषय पर अपने व्याख्यान के दौरान शोध छात्रों को सम्बोधित करते हुए शोध के विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की। शोध क्या है, शोध का महत्व क्या है। 21वीं शताब्दी में शोध के समक्ष क्या चुनौतियाँ हैं, इन पक्षों पर व्यापक प्रकाश डाला। कुलपति ने विश्व और भारत के महान विद्वानों, विचारकों, वैज्ञानिकों और मनीषियों का उदाहरण दिया और उनके विचारों को उद्धृत किया। प्रो0 प्रसाद ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि मानव जीवन के सभी क्रियाकलापों, समस्याओं और जिज्ञासाओं को गणित के सूत्रों, रेखाओं या तर्कों की सीमा में नहीं बाँधा जा सकता। यहाँ तक कि पूर्व निर्धारित विधियाँ या समाधान अपूर्ण होते हैं। शोध के क्षेत्र में यह चुनौतियाँ हैं।

प्रो0 प्रसाद ने शोध के सैद्धान्तिक, व्यावहारिक पक्ष पर अपने विचार व्यक्त किये। माननीय कुलपति जी ने संविधान, पर्यावरण, मानवाधिकार, महिला मानवाधिकार, बौद्धिक सम्पदा सम्बन्धी अधिकार, रक्षा अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय विधि, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध जैसे अनेक क्षेत्रों में शोध की सम्भावनाओं पर विचार व्यक्त किया। भारत के मनीषी, विचारक, विद्वान और वैज्ञानिकों ने जंगलों में एकाकी रहकर जो अनुभवजन्य ज्ञान-विज्ञान उपार्जित किया, वह इस देश की अमूल्य निधि है। पाश्चात्य संदर्भ में, उन्होंने प्लेटो, अरस्तू, आइन्स्टीन, डार्विन जैसे अनेक विद्वानों का उदाहरण दिया और उनके विचारों को उद्घृत किया।

कुलपति प्रो0 प्रसाद के लीक से हटकर शोध के उपादानों से जुड़े विचारों को विधि विभाग के

छात्र कोर्स समन्वयक डॉ0 जे0एस0सिंह, विधि विभागाध्यक्ष प्रो0 सिद्धनाथ, विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो0आर0के0चौबे ने अत्यन्त उपयोगी माना।

गुरुपूर्णिमा के सुअवसर पर कुलपतियों की राष्ट्रीय बैठक में सहभागिता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री श्री प्रकाश जावेड़कर ने की। देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण के अलावा, बैठक में प्रसिद्ध शिक्षाविदों, सांविधिक परिषदों के प्रमुख और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर-विश्वविद्यालय केन्द्रों के निदेशक भी उपस्थित थे।

इस बैठक का मुख्य एजेंडा उच्च शिक्षा में डिजिटल पहल और विश्वविद्यालयों की शोध उत्पादकता बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय किये जाने से सम्बंधित था। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करने की चर्चा की गयी।

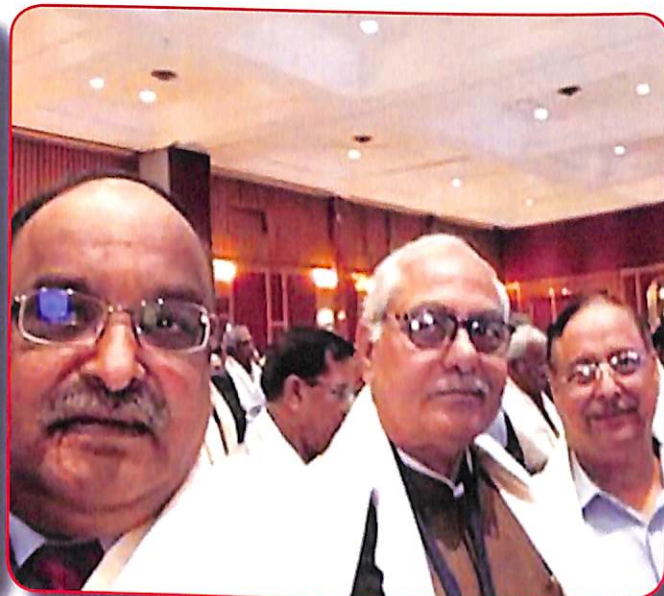

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

गुणवत्ता अधिदेश

उद्देश्य

- विद्यार्थियों के लिए स्नातक परिणामों में सुधार
- विद्यार्थियों का समाज / उद्योग के साथ सामंजस्य
- विद्यार्थियों को आवश्यक व्यावसायिक और व्यवहार कौशल
- यह सुनिश्चित करना कि शिक्षक रिक्तियाँ स्वीकृत क्षमता से 10% से अधिक न हों
- वर्ष 2022 तक, प्रत्येक संस्थान को न्यूनतम 2.5 का NAAC स्कोर अर्जित करना है

उपरोक्त उद्देश्यों को पूरा करने हेतु उच्चतर शिक्षा संस्थानों में निम्नलिखित पहल की जानी हैं :-

1. विद्यार्थियों के लिए आरंभिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. अध्ययन– निष्कर्ष आधारित पाठ्यक्रम रचना–नियमित अंतराल पर पाठ्यक्रम में परिशोधन।
3. प्रभावी शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया हेतु सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना।
4. विद्यार्थियों हेतु व्यावहारिक कौशल।
5. प्रत्येक संस्थान द्वारा समाज एवं उद्योग से संपर्क, प्रत्येक सं. स्थान, ज्ञान के परस्पर आदान–प्रदान तथा ग्रामीण समुदायों की समग्र सामाजिक/आर्थिक समुन्नति हेतु कम से कम 5 गावों का अभिग्रहण करेगा।
6. परीक्षा प्रणाली में सुधार–परिकल्पना की जांच एवं अनुप्रयोग, निर्गमन परीक्षा।
7. पाठ्यक्रम के पूरा होने के पश्चात, छात्र प्रगति की जानकारी रखना।
8. सभी नए शिक्षकों हेतु आरंभिक प्रशिक्षण तथा सभी शिक्षकों हेतु वार्षिक पुनश्चर्या प्रशिक्षण–राष्ट्रीय संसाधन केन्द्रों (NRCs) की भूमिका तथा सभी शैक्षणिक प्रशासकों हेतु अनिवार्य नेतृत्व/प्रबंधन–प्रशिक्षण प्रदान करना।
9. शिक्षकों द्वारा गुणवत्ता पूर्ण शोध तथा ज्ञान का सृजन।
10. गैर–प्रामाणिक संस्थानों को परामर्श देना जिससे की प्रत्येक संस्थान वर्ष 2022 तक प्रत्यायन प्राप्त कर सके।

उच्चतर शिक्षा संस्थान (HEIs) गुणवत्ता सुधार हेतु निम्नलिखित उद्देश्यों को 2022 तक प्राप्त करने का प्रयास करेंगे

- विद्यार्थियों के लिए स्नातक परिणामों में सुधार, जिससे की उनमें से कम से कम 50 प्रतिशत विद्यार्थी अपने लिए रोजगार/स्व–रोजगार सुरक्षित कर सकें, या उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाएँ।
- विद्यार्थियों का समाज/उद्योग के साथ सामंजस्य स्थापित करना जिससे कि कम से कम दो–तिहाई विद्यार्थी, संस्थानों में अपने अध्ययन के दौरान, सामाजिक गतिविधियों मे भागीदारी कर सकें।
- विद्यार्थियों को आवश्यक व्यावसायिक और व्यवहार कौशल में प्रशिक्षण देना जैसे सामूहिक कार्य, सम्प्रेषण कौशल, नेतृत्व कौशल, समय–प्रबंधन कौशल आदि मे पारंगत करना, मानवीय मूल्यों एवं व्यवसायगत नीतियों का संचार करना, नवप्रवर्तन / उद्धमशीलता तथा विद्यार्थियों मे समालोचनात्मक चिंतन की भावना को जाग्रत करना तथा इन प्रतिभाओं के प्रदर्शन के लिए अवसर प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना की शिक्षक रिक्तियों में किसी भी समय पर, स्वीकृत क्षमता के 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं हो तथा शत–प्रतिशत शिक्षक अपने संबन्धित ज्ञान क्षेत्र में नवीनतम एवं उभरती जानकरियों एवं शिक्षण विधियों का ज्ञान रखते हों, जिससे वो छात्रों को प्रभावशाली तरीके से विषय को समझा सकें।
- वर्ष 2022 तक, प्रत्येक संस्थान, न्यूनतम 2.5 प्राप्तांकों सहित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा प्रमाणित हो।

उच्चतर शैक्षिक संस्थानों द्वारा की जाने वाली पहल

www.ugc.ac.in

University Grants Commission

QUALITY MANDATE

Objectives

Initiatives to be undertaken by HEIs

1. Induction programme for students.
2. Learning outcome-based curriculum framework - revision of curriculum in regular intervals.
3. Use ICT based learning tools for effective teaching-learning process
4. Soft skills for students.
5. Social and Industry connect for every institution: Every institution shall adopt at least 5 villages for exchange of knowledge and for the overall social/economic betterment of the village communities.
6. Examination Reforms - test the concept, and application; exit examinations.
7. Tracking of the student progress after completion of course.
8. Induction training for all new teachers, and annual refresher training for all teachers, with aid of the National Resource Centres (NRCs); and mandatory leadership/management training for all educational administrators.
9. Promoting quality research by faculty and creation of new knowledge.
10. Mentoring of non-accredited institutions, so that every institution can get accreditation by 2022.

To improve the quality, all Higher Education Institutions shall strive by 2022 to

- improve the graduate outcomes for the students, so that at least 50% of them secure access to employment/self-employment or engage themselves in pursuit of higher education.
- promote linkage of students with the society/industry such that at least 2/3rd of the students engage in socially productive activities during their period of study in the institutions.
- train the students in essential professional and soft skills such as team work, communication skills, leadership skills, time management skills etc; inculcate human values and professional ethics, and the spirit of innovation/entrepreneurship and critical thinking among the students and promote avenues for display of these talents.
- ensure that teacher vacancies at any point of time does not exceed 10% of the sanctioned strength; and 100% of the teachers are oriented about the latest and emerging trends in their respective domains of knowledge, and the pedagogies that translate their knowledge to the students.
- every institution shall get NAAC accreditation with a minimum score of 2.5 by 2022.

Initiatives to be taken by HEIs

www.ugc.ac.in

एएसयू प्रवेश परीक्षा में 90% शामिल

इलाहाबाद। एएसयू परिसर में संचालित एमए हिन्दी, राजनीति विज्ञान व समाज कार्य, एमकॉम व संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित एमएड कोर्सों में प्रवेश के लिए परीक्षा एक जुलाई को हुई। कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज को केंद्र बनाया गया था। कुल परीक्षार्थियों में से 90 प्रतिशत परीक्षा में शामिल हुए।

कॅरियर की खुली नई राह, हर दुविधा का समाधान

अमर उजाला लक्ष्य -2018 द क्विंस्ट एजुकेशन एंड कॅरियर फेयर में उमड़ी छात्र-छात्राओं की भीड़, समापन आज

राज्य विवि: एमकॉम में प्रवेश आज से

विश्वविद्यालय परिसर में संचालित एमकॉम की प्रवेश परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी काउंसिलिंग के लिए समस्त प्रपत्रों के साथ 17 एवं 18 जुलाई को सुबह 11 बजे विश्वविद्यालय के सीपीआई छात्रावास परिसर में संपर्क करें। प्रवेश मेरिट के आधार पर होंगे। वहीं, हिंदी, समाजकार्य, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र, प्रचीन इतिहास विभाग में भी प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। इन विषयों में जिन आवेदकों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है, वे समस्त प्रपत्रों के साथ 21 जुलाई को विश्वविद्यालय के सीपीआई छात्रावास परिसर में सुबह 11 से दोपहर 2.30 बजे तक प्रवेश के लिए संपर्क करें।

राज्य विवि की काउंसलिंग 16 से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने परिसर में संचालित परास्नातक पाठ्यक्रमों और संबद्ध महाविद्यालयों में एमएड में प्रवेश के लिए काउंसलिंग की तारीख घोषित कर दी है। राज्य विवि परिसर में संचालित एमए हिंदी, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति, एमएसडब्ल्यू में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 16 जुलाई, एमकॉम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 17 एवं 18 जुलाई और एमएड में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 19 एवं 20 जुलाई को होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव के अनुसार काउंसलिंग सुबह 11 से दोपहर दो बजे और 2.30 से शाम 4.30 बजे तक राज्य विश्वविद्यालय के परिसर में होगी और अभ्यर्थियों के प्रवेश मेरिट के आधार पर होंगे। अभ्यर्थियों को अपने साथ सभी शैक्षिक प्रमाणपत्र की मूल एवं छायाप्रति भी ले जानी है।

एएसयू में 19 को होगी एमएड की काउंसिलिंग

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में एमएड प्रवेश की काउंसिलिंग 19 जुलाई को 11 बजे से सीपीआई छात्रावास परिसर में होगी। रजिस्ट्रार डॉ. विनीता यादव ने बताया कि 45 या अधिक अंक पाने वाले सामान्य, 40 या अधिक अंक पाने वाले ओबीसी और एससी तथा एसटी के अभ्यर्थी काउंसिलिंग में शामिल हो सकते हैं।

एएसयू में एमएड की काउंसिलिंग आज

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में एमएड प्रवेश की काउंसिलिंग 19 जुलाई को 11 बजे से सीपीआई छात्रावास परिसर में होगी। रजिस्ट्रार डॉ. विनीता यादव ने बताया कि 45 या अधिक अंक पाने वाले सामान्य, 40 या अधिक अंक पाने वाले ओबीसी और एससी तथा एसटी के अभ्यर्थी काउंसिलिंग में शामिल हो सकते हैं।

राज्य विवि में प्रवेश को पंजीकरण कल से

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित परास्नातक स्तर पर हिंदी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, प्राचीन इतिहास एवं समाजकार्य विषयों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग कराई जा चुकी है। काउंसलिंग के बाद भी इन सीटों पर प्रवेश के लिए कुछ सीटें रिक्त हैं। इन सीटों पर प्रवेश के लिए अभ्यर्थी 22 से 26 जुलाई तक राज्य विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनीता यादव के अनुसार इच्छुक अभ्यर्थी अपना पंजीकरण फॉर्म ऑनलाइन भरते हुए शुल्क जमा करें। काउंसलिंग की सूचना शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जाएगी।

क्षमता और रुचि पहचान कर आगे बढ़ें

जासं, इलाहाबाद : युवा अपनी क्षमता और रुचि को पहचानकर करियर का चुनाव करें, न कि दूसरों को देखकर। खुद सोचें कि आप किसी क्षेत्र में बेहतर कर सकते हैं। यह बातें इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने सोमवार को केपी उच्च शिक्षा संस्थान में कहीं। नए शैक्षिक सत्र का मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने उद्घाटन किया। कहा कि विश्वविद्यालय ने युवाओं के लिए कई रोजगारपरक कोर्स शुरू किए हैं। मुख्य अतिथि का स्वागत कॉलेज की मैनेजर शारदा प्रसाद पांडेय ने किया। उद्घाटन सत्र के बाद कुलपति ने कैंपस में पौधरोपण भी किया। धन्यवाद ज्ञापन एसएन मिश्र ने किया। इस अवसर पर रामेंद्र मिश्र, डॉ. सुरेंद्र कुमार व सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

केपी उच्च शिक्षा संस्थान में नए सत्र के उद्घाटन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद। • जागरण

केपी उच्च शिक्षा संस्थान में नया सत्र शुरू, दी गई तकनीकी जानकारी

इलाहाबाद। केपी उच्च शिक्षा संस्थान में सोमवार से नए सत्र 2018-19 की शुरुआत हुई। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने नए सत्र का उद्घाटन किया। कुलपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्हें तकनीकी शिक्षा के साथ उच्च शिक्षा के बारे में जानकारी दी। साथ ही कॉलेज के शिक्षकों से उनका परिचय प्राप्त किया। प्रबंधक शारदा पांडेय ने अतिथियों का स्वागत एवं एसएन मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर रामेंद्र मिश्र, डॉ. सुरेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

राज्य विवि में काउंसलिंग आज

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय परिसर में संचालित परास्नातक स्तर पर हिंदी, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विषयों की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सात अगस्त तक होने हैं। रजिस्ट्रार डॉ. विनीता यादव के अनुसार जो अभ्यर्थी ऑनलाइन पंजीकरण कराकर निर्धारित शुल्क जमा कर चुके हैं, वे सात अगस्त को काउंसलिंग के लिए विश्वविद्यालय परिसर में मूल प्रमाणपत्रों के साथ उपस्थित हों।

'आसमान के आंसू' पुस्तक का विमोचन

कार्यक्रम

सभी विश्वविद्यालयों के 84 दिन में हो जाएंगे दीक्षांत समारोह

लखनऊ। राज्यपाल राम नाईक ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों के लिए दीक्षांत समारोह का कलेंडर जारी कर दिया। शैक्षिक सत्र 2018-19 में मात्र 84 दिन में सभी विश्वविद्यालयों के दीक्षांत समारोह करके विद्यार्थियों को डिग्री व उपाधियां बांट दी जाएंगी। इस साल पहला दीक्षांत समारोह 24 अगस्त को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर में होगा। अंतिम दीक्षांत समारोह 15 नवंबर को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में होगा। 18 सितंबर को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद, 8 सितंबर को महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, 5 नवंबर को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में समारोह होगा। ब्यूरो

एएसयू में आज तक ही होंगे पीजी कक्षाओं में दाखिले के लिए आवेदन

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में संचालित हिंदी अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास विषय में परास्नातक की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मंगलवार तक किए जा सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी पंजीकरण के लिए निर्धारित शुल्क जमा कर काउंसिलिंग में शामिल हो सकते हैं। फार्म एवं शुल्क ऑनलाइन जमा करने वाले अभ्यर्थी विश्वविद्यालय परिसर में चल रही काउंसिलिंग में भाग ले सकते हैं। सभी अभ्यर्थियों को सात अगस्त तक प्रवेश का मौका दिया गया है। जासं,

राविवि के क्रीड़ा सचिव बने डॉ. भास्कर

डॉ. भास्कर शुक्ल को इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय का क्रीड़ा सचिव बनाया गया है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. वंदना यादव के अनुसार हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नैनी में शारीरिक शिक्षा विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर भास्कर शिक्षकश्री पुरस्कार विजेता हैं। वह फुटबाल के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं।

राज्य विश्वविद्यालय में लगाए गए पौधे

इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में भी धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। नैनी स्थिति सरस्वती हाईटेक सिटी परिसर में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने झंडारोहण किया। सास्कृतिक कार्यक्रम के बाद कुलपति ने कैंपस में पौधरोपण किया। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ विनीता यादव भी मौजूद रहीं।

असमानता को दूर करने के लिए बनाना होगा समरसता का माहौल

जासं, इलाहाबाद : इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सीपीआइ भवन परिसर में 72वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने ध्वजारोहण करने के बाद कहा कि देश को सशक्त बनाने के लिए निरर्थक विवादों से हटकर सभी को एकजुट होकर गरीबी, अशिक्षा व असमानता को दूर करना होगा। तभी देश में समरसता का माहौल बन सकेगा।

रोपे गए 32 हजार पौधे : सीपीआइ भवन पर कार्यक्रम के बाद कुलपति सरस्वती हाईटेक सिटी स्थित निर्माणाधीन मुख्य परिसर में 150 छायादार पौधे रोपे गए। पौधरोपण के दौरान भारतीय सेना के 39 जवान व जीआरपी के सदस्य भी मौजूद रहे। संघटक महाविद्यालयों में भी स्वतंत्रता दिवस पर 32 हजार से अधिक पौधे रोपे गए। रजिस्ट्रार डॉ. विनीता यादव, मेजर जीएस संधू, नायब सूबेदार बलराम पाल, वीरेंद्र ठाकुर, संजय यादव, कमल कुमार द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

राज्य विवि के परिसर में हुआ पौधरोपण

इलाहाबाद। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के सरस्वती हाईटेक सिटी नैनी स्थित निर्माणाधीन परिसर में डेढ़ सौ पौधे लगाए गए। पौधरोपण अभियान का नेतृत्व कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में कुलसचिव, वित्त अधिकारी, उपकुलसचिव और भारतीय यसेना के 39 जीआर के जवान, छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी मौजूद रहे। पौधरोपण में मेजर जीएस धंजू, नायब सूबेदार बलराम पाल, विरेंद्र ठाकुर, संजय यादव, कमल कुमार द्विवेदी आदि ने भागीदारी की।

राज्य विवि में एमफिल और पीएचडी के नए मानक लागू

2016

ऑक्सफोर्ड विवि की तर्ज पर होगा एएसयू का मुख्य द्वार

Allahabad State University

MISSION STATEMENT

The prime mission of Allahabad State University is set to provide integrated approaches of local, regional, national and global opportunities for Higher Learning, research and engagement to the diverse sets of student population. The University intends to offer a full range of degree programmes at the Bachelor, Master, doctoral, post-doctoral and professional levels, coupled with the entire domain and scope of research and other creative activities.

GOALS

Allahabad State University is inclined to provide quality higher education to the younger generation, and intends to emerge as a " world class" multi-disciplinary global institution encompassing various branches and frontiers of higher learning and research in the entire domain, range and scope of "knowledge power". The University will envolve a student profile comparable with national and global (public and private) institutions of Higher Education by creating an environment in which students success in diverse areas can be seen to the optimum level. It will also fulfill the skill development and professional needs of creating a strong regional and state workforce, while emerging as a primary engine of social, economic and intellectual development in India in the Age of Globalization.

The University is also set to embark upon the path of realising its endeavors and accomplishments, coupled with the ability of the students and faculty to build a resource base of highest order.

As its primary goal, the Allahabad State University is dedicated to becoming a nationally and globally recognized institution in the 21st century along with the shared universal values of humanity at large. Accordingly, it is engaged to utilise its material, human and other resources for :

- Imparting higher education to fulfill the diverse needs of student community, including foreign students.
- Promoting excellence within the entire domain, range and scope of higher education and professional studies.
- Meeting cultural and other challenges to our nation-building and eventually augmenting the quality of life in the urban and rural areas through teaching, learning, advanced research and multi-dimensional activities.